भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2080 ● मासिक पत्र : जून 2023 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

श्रद्धा सुमन : प्रख्यात समाज सेविका श्रीमती दर्शना गुप्ता

नई दिल्ली। नारी सशक्तिकरण और समाज सेवा में हमेशा तत्पर प्रख्यात समाज सेविका श्रीमती दर्शना गुप्ता आखिर कैंसर से जंग हार कर 26 मई 2023 को अपनी सांसरिक यात्रा पूर्ण करके प्रभु चरणों में लीन हुई ।

अपने जीवनकाल में महिलाओं के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय नागरिक सम्मान -'नारी शक्ति सम्मान' से सम्मानित श्रीमती दर्शना गुप्ता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अद्वितीय पहचान स्थापित की । आपका जन्म 1 मार्च 1966 को हुआ।

आपने नेहरू मेमोरियल कॉलेज, हनुमानगढ़ से स्नातक किया। संगठन और प्रबंधन कौशल में आप काफी निपुण थी। स्वच्छ छवि, मिलनसार और सरल स्वभाव आपके व्यक्तित्व की विशेषता रही। आपने अनेक सामाजिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक क्षेत्र में आप एक जाना माना हस्ताक्षर रही।

आपका विवाह श्री अजय बनारसीदास गुप्ता से हुआ। आप प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा बाबू बनारसी दास गुप्ता की पुत्रवधु थी। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बनारसी दास गुप्ता जी द्वारा स्थापित आदर्श महिला महाविद्यालय के अध्यक्ष के दायित्व का बखूबी से निर्वाहन किया। इस महाविद्यालय में 3500 से अधिक कन्याएं लगभग मुफ्त शिक्षा प्राप्त कर रही है। आप बनारसी दास गुप्ता फाउंडेशन की महासचिव भी रही। भारत सरकार के राष्ट्रीय जनसहयोग एवं बाल विकास संस्थान की सदस्य रही। समाज कल्याण बोर्ड हरियाणा की आप सदस्य रही हरियाणा में वैश्य अग्रवाल समुदाय के सबसे बड़े और सक्रिय संगठन हरियाणा वैश्य महासम्मेलन (महिला) की भी आप अध्यक्ष रही। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के दायित्व का पालन किया।

आपने लाडली फाउंडेशन के साथ मिलकर 1650 गरीब कन्याओं के सामूहिक विवाह के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की । समाज के वंचित और निर्धन वर्ग के उत्थान के लिए आप सदैव तत्पर रही । आपने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी कार्य किया। आपके मार्गदर्शन में अनेक चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। बेरोजगार युवाओं के समुचित रोजगार के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रही । आपने स्लम क्षेत्र निवासियों के कल्याण के लिए भी अनेक कार्य किए। राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ के साथ मिलकर नेत्रहीनों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए।

भारतीय जनता पार्टी की आप निष्ठावान कार्यकर्ता रही । कोरोना काल मे जरूरतमंदों के लिये दवा एवं भोजन के लिये आपने अथक प्रयास किये तथा इस कार्य के लिये अपनी एक टीम भी बनाई जिसके माध्यम से अनेक जन को राशन तथा डाक्टरी सहायता उपलब्ध करवाई ।

अनेक सामाजिक सेवा प्रकल्पो में सक्रिय योगदान के लिये भिवानी परिवार मैत्री संघ ने आपको नारायणी देवी-महावीर प्रसाद भगगका 'ओजस्विनी सम्मान' से सम्मानित किया ।

गत वर्ष मेडिकल जांच मे कैंसर की पुष्टि होने के पश्चात भी आप सामाजिक रूप मे काफी सक्रिय रही। अपने सामाजिक और पारिवारिक दायित्वों का बखूबी से निर्वाहन किया। आपकी जीवटता हम सबके लिये एक मिसाल है । भिवानी से आपका विशेष लगाव रहा । भिवानी परिवार के फरीदाबाद चैप्टर स्थापित करने मे अग्रणीय भूमिका निभाई। अजय गुप्ता जी के साथ मिलकर आपने भिवानी परिवार के अनेक मिलन कार्यक्रमों का आयोजन किया । अपने अंतिम समय तक भिवानी परिवार का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने को प्रतिबद्ध रही। आप सरल व्यवहार और मनमोहक व्यक्तित्व से परिपूर्ण थी। भिवानी परिवार मैत्री संघ अपने परिवार की एक विशिष्ट, वरिष्ठ और सक्रिया सदस्या श्रीमती दर्शना गुप्ता जी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता है तथा परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक
जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक
सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक
सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय
भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)
प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89
दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com
http://www.ebhiwani.com

स्मृति शेष

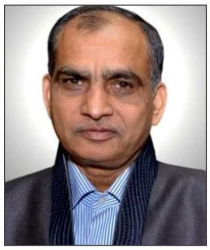

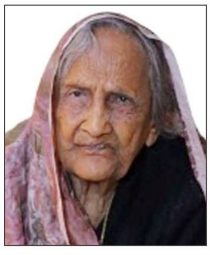

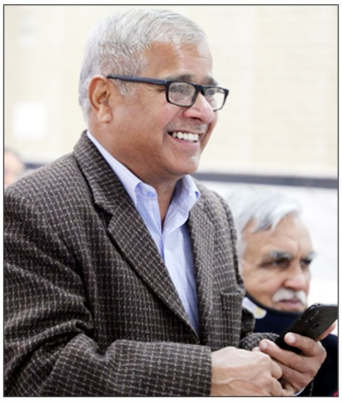

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

स्व. श्री सुभाष गोयल जी
17 मई 2023

स्व. श्रीमती पूरनी देवी जी
19 मई 2023

स्व. श्रीमती दर्शना गुप्ता जी
26 मई 2023

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

लाला दुलीचंद जैन

लाला दुलीचंद जैन के पिता स्व.सेठ द्वारका प्रसाद जैन थे, जिन्हें अंग्रेजों के ज़माने में (सन् 1947 में स्वतंत्रता से पूर्व) राजदरबार में कुर्सी नसीन थी व उन्हें रईस की उपाधि से भी नवाजा गया था, आप उनके भाई लाला बद्रीप्रसाद जी जैन जिनके कोई संतान नहीं थी, के गोद आ गए थे। लाला दुलीचंद जी, जैन धर्म की शाखा तेरापंथ के संस्कारों में पले व बड़े हुए। आपकी सरलता, कर्मठता, उदारता, मिलन सारिता व समर्पण भावना बेजोड़ थी। गौरवर्ण, सकारात्मक सोच व चुंबकीय व्यक्तित्व से परिपूर्ण आपका बाह्य व आंतरिक व्यक्तित्व था। एक बार कोई भी आपके संपर्क में आ जाता वह आपकी व्यवहार कुशलता व चिंतन शैली से आपका ही हो जाता था।

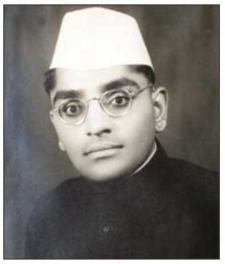

आपने वर्षों तक तेरापंथ जैन समाज भिवानी को नेतृत्व प्रदान किया व समाज के साथ जहां अनेक विद्वतजनों व प्रतिभा संपन्न लोगों को जोड़ा वहां उसे आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आपने राष्ट्रसंत युग प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी व महानयोगी आचार्य महाप्रज्ञ जी की अनन्य कृपा प्राप्त की व उनके कृपामात्र शिष्यों में गिनती हुई।

आप मधुर गायक प्रखरवक्ता व चिंतनशील प्रबुद्ध व्यक्ति रहे है। धुन के धनी लाला दुलीचंद जी जैन साधु साध्वियों के प्रति इतने अधिक समर्पित थे कि उनके आवश्यक कार्यों के लिए वो अपने दैनिक कार्यों को भी छोड़ देते व घंटो-घंटो उनकी सान्निध्य में बने रहते थे। जैन व जैनेतर अनेक संस्थानों के सिरमौर लाला जी ने समर्पित भाव से उन संस्थाओं में सेवाएं दी। अग्रवाल समाज, जैन तेरापंथ समाज, व्यापार मंडल, गौशाला ट्रस्ट व अनेक शिक्षण संस्थाओं के पटल पर आज भी लाला जी का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है व उनके द्वारा प्रदत सेवाओं को आदर के साथ याद किया जाता है। लाला जी का कपड़े का भिवानी, मुंबई व अहमदाबाद में बहुत बड़ा व्यापार था जिसे मैं व परसराम दुलीचंद के नाम से जाना जाता है। लालाजी ने अनेक साहित्यकारों, कवियों, अधिवक्ताओं व सरकारी अधिकारियों को अणुव्रत, योग व जैन साहित्य भेंट कर उन्हें इससे परिचित कराया। वो इतने सहज व सरल थे कि बच्चों के साथ बच्चे व बड़ो के साथ बड़ो जैसा व्यवहार करते थे। घमंड या क्रोध उनमें कभी नही देखा बल्कि सदैव मुस्कुराते रहते थे। उन्होंने अनेक कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। वो सदैव सकारात्मक व समझौता करने की बात करते थे।

जैन समाज के अनेकांतवाद को उन्होंने अपने जीवन में धारण किया हुआ था तथा कभी आग्रहवृत्ति को महत्व नहीं दिया। आपके तीन सुपुत्र व सुपुत्रिया हुई तथा पुत्रवधुए, सुपौत्र आदि से परिवार की महत्ता आगे बढ़ी। लाला जी को आदर्श मानकर आज भी उनके परिवारजन व उनसे प्रभावित अनेक व्यक्ति अपने आपको धन्य समझते हैं कि उन्हें उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। ऐसे कर्त्तव्यपरायण, सेवाभावी, संस्कारी व समाज के प्रति सर्वात्मना समर्पित व्यक्तित्व को शत-शत श्रद्धांजलि व विनम्र भाव से नमन।

आगामी कार्यक्रम

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री नवीन जयहिन्द
कार्यकारिणी-बीपीएमएस
10 जून

श्री नरेश मित्तल
संरक्षक सदस्य
11 जून

भिवानी गौरव
श्री हरिओम महाजन
14 जून

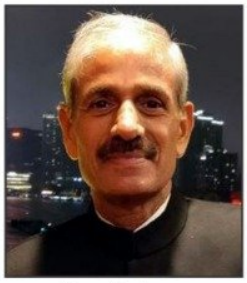

भिवानी गौरव
मेजर जनरल विजय पाल
14 जून

श्री पवन अग्रवाल
संरक्षक सदस्य
15 जून

श्री सी.एल. अग्रवाल
संरक्षक सदस्य
17 जून

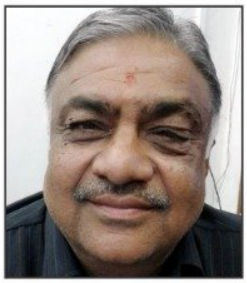

श्री राजकुमार गर्ग
संरक्षक सदस्य
17 जून

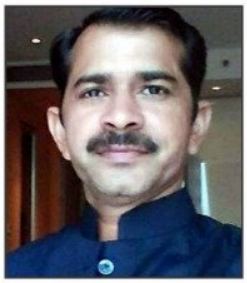

भिवानी गौरव
श्री अशोक भारद्वाज
19 जून

श्री राधे श्याम गुप्ता
संरक्षक सदस्य
20 जून

भिवानी गौरव
श्री रजनीश नरूला
23 जून

श्री महेन्द्र तायल
संरक्षक सदस्य
26 जून

श्री नितिन गुप्ता
संरक्षक सदस्य
26 जून

मेरी कलम से

चिंतन करो चिंता नहीं

सुश्री मंजीत मरवाहा

'चिंता ऐसी डाकिनी, काट करेजा खाए।
वैद्य बेचारा क्या करे, कहाँ तक दवा खिलाए।।'

भक्त कबीर के अनुसार चिंता का इलाज वैद्य के पास भी नहीं है।

चिंता एक मनोभाव है। यह किसी संभावित संकट की आशंका का परिणाम है। चिंता व्यक्ति के मन में भय उत्पन्न करती है जो व्यक्ति चिंता का शिकार हो जाता है वह तनावग्रस्त हो जाता है। उसकी समस्याओं से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। चिंता बुद्धि एवं विवेक को नष्ट कर देती है। यह घातक है। चिंतित होने पर मन: स्थिति ऐसी हो जाती है जैसे कि सागर के भीतर आग लगी हो जिसका धुआं दिखता नहीं। कमजोर इच्छा वाला व्यक्ति इस आग में जलकर खाक हो जाता है।

श्री कृष्ण कहते है- 'क्यों व्यर्थ की चिंता करते हो। तुम क्या लेकर आए थे जो खो गया है। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का होगा, परसों किसी और का हो जाएगा। तुम इसे अपना समझ कर मगन हो रहे हों बस यही समस्त दु:खों का कारण है। जो हुआ अच्छा हुआ। जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। चिंता से तनाव उत्पन्न होता है। इससे मुक्त होने का प्रयास कर तनावमुक्त जीवन जीया जा सकता है। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में पीड़ादायक परिस्थितियां कभी न कभी आती ही हैं। ऐसे में चिंतित होना भी स्वाभाविक है। कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, लेकिन फल पर नहीं।

कर्मण्यवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

जरूरी है कि चिंतन से समाधान निकाला जाए। इससे हमारी वैचारिक शक्ति उत्कृष्ट होगी एवं कार्य करने का स्तर उत्तम होगा। चिंतनशील व्यक्ति हर कठिनाई का कोई ना कोई समाधान ढूंढकर उस से बाहर आ जाता है। चिंता मनुष्य को खोखला कर देती है। वह भीतर से टूट जाता है एवं निराश हो जाता है, व्यथित रहता है। कहते है चिंता और चिता एक समान है। बस एक बिंदु का अन्तर है। आज का आदमी चिन्तन में नहीं ज्यादातर चिंता में जी रहा होता है। मनुष्य चिन्तन करें। विवेक का प्रयोग करें, सकारात्मक सोच रखें, ईश्वर की हर रजा में खुश रहें। इन तथ्यों को ध्यान में रखकर चिन्ता से दूर रहें। चिन्ता ही हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। चिन्तन करने से चिंता से छुटकारा मिलता है। चिंता में व्यक्ति सब कुछ गंवाता है तो चिंतन में वह हर खोई हुई वस्तु पा लेता है। चिंतन से वह सभी स्त्रोत एंव मार्ग ढूंढ लेता है। जिनसे वह अनभिज्ञ है। चिंता का परिणाम दुख होता है। चिंतन का परिणाम आनंद। इसलिए व्यक्तित्व विकास के लिए जरुरी है आत्मिक विकास और आत्मिक विकास के लिए जरूरी है चिन्तन। चिन्तामुक्त रहें। चिन्तन करें।

स्वामी विवेकानन्द कहते हैं-

चिंतन करो, चिंता नहीं, नए विचारों को जन्म दों।।

बीपीएमएस अपना घर आश्रम समिति

अपना घर आश्रम बूढ़पुर दिल्ली में 220 बेड के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

नई दिल्ली। अपना घर आश्रम बूढ़पुर दिल्ली में 220 बेड के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कार्यक्रम परम श्रद्धेय स्वामी महामंडलेश्वर श्री परमानंद जी जन सेवा संस्थान रोहतक के कर कमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रामनिवास जी गोयल अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा थे।

नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी इसी कार्यक्रम में हुआ। कार्यक्रम में अपना घर आश्रम संस्था के संस्थापक डॉक्टर बी एम भारद्वाज जी, श्री एन पी सिंह जी, शैलेंद्र त्यागी जी, डॉक्टर के निरंजन जी, विनोद गोयल जी और अन्य कई आश्रमों से पदाधिकारी उपस्थित थे। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में शामिल हुए। मंच का संचालन भरतपुर से श्री विनोद सिंघल जी ने किया। वांछित फाउंडेशन दिल्ली के कुछ बच्चे और अपना घर के प्रभु जी के द्वारा कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जो सभी को आनंद देने वाला रहा। अपना घर आश्रम बूढ़पुर के सभी सेवा साथियों ने इस कार्यक्रम के लिए अथक परिश्रम किया जो उनके चेहरे की खुशी से झलक रहा था।

अपना घर आश्रम बूढ़पुर में अब महिला प्रभु जन की क्षमता 450 से ज्यादा हो जाएगी।

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

कृष्ण कंठ से गूँजी थी जो
गीता का उपदेशक भारत

पेड़ों-पौधों में जीवन है
विज्ञानी उद्घोषक भारत

फिर-फिर आना है धरती पर
पुनर्जन्म निर्देशक भारत

बुद्ध दिया हमने ही जग को
विश्वशांति का रक्षक भारत

शून्य खोज हल दिया गणित को
विश्व धरा का शिक्षक भारत

सत्य धर्म अन्वेषक भारत
मानवता का पोषक भारत

सत्य सनातन भगवाधारी
है सबसे आकर्षक भारत

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल

व्रत-त्योहार जून 2023

रथयात्रा जगन्नाथ पुरी-मंगलवार 20 जून
भड़ली नवमी-मंगलवार 27 जून
देवशयनी एकादशी-गुरुवार 29 जून